विश्व न्याय मन्दिर

यह बात अवश्य ही समझ में आती है कि वे सभी लोग जो बहाई प्रशासन में संलग्न हैं, स्वाभाविक रूप से अनुभव करेंगे कि किसी भी रूप में, उन्हें एक ऐसे ढाँचे का हिस्सा बनने का विलक्षण सम्मान मिला है, जिसे वह माध्यम बनाया गया है जिसके द्वारा प्रभुधर्म की चेतना प्रवाहित होती है। फिर भी, उन्हें यह नहीं मान लेना चाहिये कि ऐसी सेवा उन्हें उस सीखने की प्रक्रिया की बाहरी सतह पर कार्य करने का अधिकार प्रदान करती है जो सभी जगह जोर पकड़ रही है, और वे इस प्रकार सेवा की स्वाभाविक आवश्यकताओं से मुक्त हैं।

–28 दिसम्बर, 2010

मूल्य/धर्मार्थ : 1 पैसा
(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

बहाई समाचारपत्र

Posted at DPSO
Delhi on 10/11.03. 2024
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg. New Delhi - 110 001 - INDIA
वर्ष : 60 अंक 03 प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख
मार्च 2024 बहाई वर्ष : 180–181

छत्तीसगढ़ में बहाई परिवार सम्मेलन

राज्य बहाई परिषद छत्तीसगढ़ की ओर से कांकेर में बहाई परिवार सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सम्मेलन में प्रतिभागियों का स्वागत पारंपरिक पोशाक एवं रीति–रिवाज से किया गया। उसके उपरांत अलग–अलग भाषाओं में प्रार्थनाएँ की गईं।

सम्मेलन का महत्वपूर्ण हिस्सा बहाई पारिवारिक जीवन के बारे में ज्ञान का विस्तार करना था। परिषद ने बहाई पारिवारिक जीवन पर एक संक्षिप्त दस्तावेज तैयार किया था, जिसका उपस्थित लोगों ने तीन छोटे समूहों में विभाजित होकर अध्ययन किया और चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लिया। समूह अध्ययन के दौरान यह देखना बहुत हृदयग्राही था कि तीन पीढ़ियाँ एक साथ सीख रही थीं कि बहाउल्लाह के मार्गदर्शन से बहाई लोग पारिवारिक जीवन को कैसे दृढ़ कर सकते हैं। चर्चा के बाद प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक एक बड़े समूह में पारिवारिक जीवन को बढ़ाना, माता–पिता और बच्चों के बीच संबंध, पति–पत्नी के मध्य तालमेल का संरक्षण आदि विषयों पर अपने विचार साझा किए।

खेल एक ऐसा विषय है जो हर व्यक्ति को चुस्ती–फुर्ती और असीम प्रसन्नता प्रदान करता है। परिषद ने सम्मेलन में सहकारी खेलों को शामिल किया है ताकि प्रतिभागी एक–दूसरे के साथ मिल सकें और कुछ आनंद के पल एक साथ बिता सकें। प्रतिभागियों ने "फ्रूट सलाद" और "बर्ड नेस्ट" खेल का भरपूर आनंद लिया। उन्होंने सीखा कि कैसे एक–दूसरे की मदद करके लक्ष्य तक पहुँचा जा सकता है। खेल के माध्यम से, प्रतिभागियों को यह एहसास हुआ कि ऐसे सुखद क्षण हमारे जीवन को कैसे सरल और दिलचस्प बनाते हैं।

परिषद के कोषाध्यक्ष ने कोष में योगदान के महत्व को दर्शाया। कोष में योगदान करना प्रत्येक बहाई के आध्यात्मिक जीवन का एक अभिन्न अंग है और इसे एक मौलिक आध्यात्मिक दायित्व की पूर्ति के रूप में माना जाता है। किताब–ए–अकदस में, बहाउल्लाह ने एक से अधिक बार प्रभुधर्म के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए आध्यात्मिक और भौतिक साधनों के संयोजन की आवश्यकता का

शेष पृष्ठ 4 पर



छत्तीसगढ़ में आयोजित सम्मेलन में भाग लेने वाले मित्रगण

इस अंक में

देश भर में अय्याम–ए–हा मनाया गया

• झारखण्ड में 26 फरवरी से शुरू हुए अय्याम–ए–हा अर्थात अधिदिवस को राज्य के विभिन्न क्लस्टरों एवं समुदायों में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, जिसकी तैयारियाँ स्थानीय मित्रों एवं संस्थाओं की सहायता से की गई। इसके पूर्व ही मित्रों ने बहाई उपवास एवं अय्याम–ए–हा की विशेषता एवं उद्देश्य से सम्बंधित समझ को और विकसित और सुदृढ़ करने हेतु ऑनलाइन एवं गृहभ्रमण का आयोजन किया, जिसके फलस्वरूप अधिक–से–अधिक मित्रों को उपवास रखने एवं अय्याम–ए–हा को हर्षोल्लास के साथ मनाने के संदर्भ में दृढ़ीकरण किया गया। स्थानीय आध्यात्मिक सभा जमशेदपुर, आसनबनी एवं पटमदा ने समुदाय स्तर पर अय्याम–ए–हा का आयोजन किया।

कई स्थानों पर इसका आयोजन बहुत ही व्यापक स्तर पर तो नहीं हुआ लेकिन जमशेदपुर की स्थानीय सभा ने 26 फरवरी को जमशेदपुर के बिरसानगर समुदाय में व्यापक स्तर पर इसका आयोजन किया, जिसमें बिरसानगर कदमा, छायानागर इत्यादि समुदायों से लगभग 50 से अधिक सभी वर्गों के मित्र शामिल हुए। विशेष बात यह रही की इसमें बहाई मित्रों के साथ–साथ जिज्ञासु मित्र भी शामिल हुए। बैठक की शुरूआत लयबद्ध प्रार्थनाओं के साथ हुई। तदुपरांत स्थानीय सभा की सदस्या ने सभी का स्वागत करते हुए अय्याम–ए–हा के महत्व की जानकारियों को विस्तार से साझा किया। तत्पश्चात सहायक मण्डल सदस्य ने भी बताया कि यह दिवस जरूरतमंदों की सेवा, दान पुण्य इत्यादि कारणों से विशेष है।



जमशेदपुर में आयोजित अय्याम–ए–हा के कार्यक्रम के दौरान

बहाई कैलेंडर के हिसाब से 19 महीनों का एक वर्ष होता है जिसकी संख्या 361 दिन होती है और अंग्रेजी कैलेंडर में 365 या 366 दिन होते हैं जिसके अनुरूप 4 से 5 दिन ऐसे होते हैं जो अधिदिवस के नाम से जाने जाते हैं। बहाईयो में ये दिन काफी विशेष महत्व रखते हैं। इसके उपरांत बहाई उपवास पर भी गहराई से परामर्श हुआ और अधिक से अधिक बहाई मित्रों को उपवास रखने हेतु प्रोत्साहित किया गया। इसके पश्चात बच्चों तथा अन्य मित्रों द्वारा गीत–संगीत की सुंदर प्रस्तुति की गई और सभी उपस्थित मित्रों ने खूब आनंद उठाया। समाप्ति के उपरांत सभी से आग्रह किया गया कि सभी बचे हुए दिनों को अपने–अपने घरों में अवश्य मनाएँ और अधिक से अधिक मित्रों को इसके महत्व की जानकारी दें और इसके लाभ प्राप्त करने में उनकी मदद करें।

शेष पृष्ठ 3 पर

बिहार में वार्षिक योजना सत्र सम्पन्न

प्रभुधर्म में समाज निर्माण शक्ति की बढ़ती मात्रा में निर्मुक्ति एवं आध्यात्मिक उद्यम की गतिमयता को एक नया आयाम देने के उद्देश्य से 27 से 31 जनवरी, 2024 तक महाद्वीपीय सलाहकार की विशेष उपस्थिति में वार्षिक योजना सह–बजट सत्र का आयोजन किया गया है। इस आयोजन में राष्ट्रीय स्तर पर सेवारत वित्त पदाधिकारी, सामाजिक क्रियाविधि की तैयारी से संबंधित नेशनल डेस्क के सदस्य, नेटवर्क ऑफिस के प्रतिनिधि, लर्निंग साईट बिहारशरीफ के मानव संसाधन, सोल के निर्देशक सह कार्यक्रम संयोजक, सभी सहायक मंडल सदस्य, प्रशिक्षण संस्थान मंडल के सभी सदस्य, नौ उपक्षेत्र से उपक्षेत्रीय संयोजक एवं विकास सहयोगी, सभी उपक्षेत्रीय सांख्यिकी पदाधिकारी एवं राज्य बहाई परिषद, बिहार के सदस्य सहित कुल 68 प्रतिभागी शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत कुछ सुमधुर प्रार्थना एवं पवित्र लेख तत्पश्चात एक संगीत से की गई।

ज्ञातव्य हो कि मेजबान राज्य बहाई परिषद द्वारा सभी मित्रों के स्वागत उपरांत परिषद सचिव ने राज्य के संख्यात्मक वर्णन के साथ–साथ कार्य के तीनों क्षेत्र से प्राप्त उपलब्धियों से मित्रों को अवगत कराया। परिषद सचिव ने अपनी प्रस्तुति में यह बताया कि बिहार में प्रार्थना की संस्कृति ने समुदाय स्तर पर जड़े जमाना शुरु कर दिया है, गत वर्ष बहाई चुनाव में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की संख्या दोगुनी हुई है, परामर्श की संस्कृति मजबूत होने लगी है, कुछ उन्नत गाँव में व्यापकता के चिह्न दिखने लगे हैं, इत्यादि। तत्पश्चात प्रशिक्षण संस्थान के सचिव ने शैक्षणिक गतिविधियों में गत वर्ष हुई उपलब्धियों के साथ–साथ प्रशिक्षण संस्थान के विस्तृत दृष्टिकोण की जानकारी साझा की, जिसमें शामिल है–एक समुदाय के सारे बच्चों और किशोरों का प्रक्रियाओं में शामिल होने का प्रभाव, शिक्षक, अनुप्रेरक और सह–शिक्षक की क्षमता बढ़ाने की रणनीति इत्यादि।

इन प्रस्तुतियों की समीक्षा करते हुए महाद्वीपीय सलाहकार ने कहा कि विश्व न्याय मंदिर के मार्गदर्शन का प्रसार, मित्रों की क्षमताओं पर विश्वास व उसके साथ–साथ चलना एवं संस्था व एजेंसियों के निरंतर प्रोत्साहन एवं मार्गदर्शन के कारण ही बिहार इस वर्ष में अभूतपूर्व प्रगति हासिल कर पाया है और शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ाने में एशिया में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार को अभी भी शिक्षण और नामांकन की प्रक्रिया, बहाई त्योहार, स्थानीय सभा के सदस्यों की क्षमता, ग्रुप ऑफ फैमिली, पायनियर, दूसरे मील के क्लस्टर को तृतीय मील की ओर ले जाने की रणनीति, संयोजकों की क्षमता बढ़ाने के संदर्भ में कार्य करने और सीखने की आवश्यकता है।

सभा को सम्बोधित कर रहे अध्यक्ष ने 30 दिसम्बर 2021 पत्र के गद्यांश 5 और 8 का अध्ययन करने और उसके आलोक में क्लस्टर के अधिगमन पर समीक्षा करने के लिए मित्रों को प्रोत्साहित किया और पाया कि कुछ ऐसी सीख हैं जो राज्य स्तर के लिए पहली बार है– कुछ क्लस्टरों में संयोजक और क्लस्टर विकास सहयोगी की क्षमता बढ़ाई गई जिसके फलस्वरूप उनके द्वारा नये क्लस्टर को सघन विकास कार्यक्रम तक अधिगमन कराया गया है। इसके अलावा दस ऐसी लड़कियाँ हैं जिन्होंने विवाह के बाद ससुराल जाकर नये क्लस्टर को खोलने में या निष्क्रिय क्लस्टर को जीवन्त करने में मदद की है। अतएव एक नया जिला (जमुई) सहित गत वर्ष 16 नए क्लस्टर हो गए, जहाँ सघन विकास का कार्यक्रम शुरु हुआ है तथा बख्तियारपुर और सरमेरा ग्रुप ऑफ क्लस्टर को छोड़कर प्रत्येक ग्रुप ऑफ क्लस्टर में कुल 39 ऐसे क्लस्टर हैं जो पड़ोस के क्लस्टर के लिये संग्रह (जलाशय) के रूप में काम करने में सक्षम हैं। इस तरह वर्तमान में 18 पहले मील, 84 दूसरे मील और 49 तीसरे मील को पार करने वाले क्लस्टर हैं।

28 नवम्बर 2023 पत्र के अध्ययन के लिए प्रतिभागी चार छोटे–छोटे समूहों में विभक्त हो गए, जहाँ उनकी समझ ईश्वर की निर्माण की योजना तथा विघटन की योजना के साथ–साथ वीरकाल एवं रचनात्मक काल की जानकारी प्राप्त करने में बढ़ी तथा रचनात्मक काल के एक शताब्दी वर्ष की यात्रा से भी परिचित हुए।

30 दिसम्बर 2021 के गद्यांश 9 और 10 का अध्ययन तथा इससे संबंधित क्लस्टरों के अनुभव ने मित्रों को यह समझने में मदद की कि हम किस प्रकार अनुयायियों के हृदय में शिक्षण के लिए जूनून पैदा कर सकते हैं तथा क्लस्टर विकास समिति की सहायता से पूरे परिवार या मित्रों के समूह के रूप में 'आत्माओं को' इस दहलीज को एक साथ पार करने में साहस प्राप्त कर सके। इस पत्र के गद्यांश 12 के अध्ययन ने मित्रों को यह समझने में मदद की कि विभिन्न वास्तविकताओं में परिवार के समूहों के साथ काम करने के बारे में क्या सीख अर्जित की गई है और इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए हमारी क्या रणनीति होनी चाहिए। इस संदर्भ में हाजीपुर उपक्षेत्र की एक सीख जो राज्य स्तर पर पहली बार थी कुरहन्नी क्लस्टर के माधोपुर कपूर समुदाय में परिवारों के समूह के स्तर पर अध्ययनवृत कक्षा का आयोजन करना और रूही श्रृंखला की क्रमिक पुस्तकों का अध्ययन करना।

30 दिसम्बर 2021 के गद्यांश 13 के अध्ययन ने प्रत्येक क्लस्टर में सघन गतिविधि के जीवंत केंद्र विकसित करने और बढ़ती व्यापकता के बारे में समझ बढ़ाने में मदद की। इस संबंध में मित्रों ने साझा किया कि हथवन, कोठिया और पुसहो समुदाय में रूही पुस्तक–13 के आधार पर सामुदायिक सभा का आयोजन होने लगा है। इसके अलावा कई ऐसे समुदाय हैं जहाँ सामुदायिक सम्मिलन का आयोजन हो रहा है, जहाँ समुदायों ने अपनी वास्तविकता के आधार पर परामर्श करना शुरु किया है।

प्रशिक्षण संस्थान के सचिव ने कुछ प्रश्नों की सहायता से बच्चों और किशोरों की कक्षा का अधिगमन, शिक्षक, अनुप्रेरक और सहशिक्षक की समीक्षा एवं उनकी क्षमता बढ़ाने के संदर्भ में रणनीति, प्रत्येक क्लस्टर और समुदाय में बच्चों और किशोरों का शामिल होना, कक्षाओं का औपचारीकरण तथा प्रत्येक क्लस्टर और समुदाय में संस्थान प्रक्रिया का जड़े जमाना जैसे विषयों पर समीक्षा करने एवं अगले वर्ष की रणनीति तैयार करने में मदद की।

परिषद द्वारा तैयार बिहार एवं अन्य राज्यों के उभरते हुए सामाजिक क्रिया एवं प्राथमिक स्पंदन के प्रलेखीकरण का अध्ययन मित्रों को सामाजिक क्रिया की पहचान करने और उसे प्रोत्साहन देने, साथ में, सामुदायिक बैठक का आयोजन करने के सन्दर्भ में नवीन अंतर्दृष्टि प्राप्त हुई। कई उपक्षेत्र ने जो साझा किया उससे यह स्पष्ट होता है कि जैसे–जैसे मित्र ईश्वर के वचनों का अध्ययन करते हैं वे परिवर्तनकारी प्रभाव ईमानदारी, सहयोग और आचरण की शुद्धता जैसे गुणों को विकसित करने में सक्षम हो जाते हैं।

हुकुकुल्लाह की प्रस्तुति से प्रतिभागियों को बहाई विधान समझने और उसकी अनिवार्यता को जानने का अवसर मिला। अंत में सभी उपक्षेत्र से मित्रों ने अपनी योजनाओं को क्रमबद्ध साझा किया और पाया गया कि इस चक्र के अंत तक 18 नए क्लस्टर और अगले वर्ष के अंत तक 38 नए क्लस्टर होंगे जहाँ सघन विकास कार्यक्रम स्थापित होंगे, जिसके कारण बिहार में 5 नए ग्रुप ऑफ क्लस्टर जुड़ जाएंगे। सभी उपक्षेत्र के कार्य के तीनों क्षेत्रों की योजनाओं को सुनकर महाद्वीपीय सलाहकार ने कहा कि हर बैठक परामर्शी बैठक नहीं होती पर बहाईयों की हर बैठक एक आध्यात्मिक बैठक होती है, जिसका वर्णन रूही पुस्तक 13 के यूनिट 2 में है, पिछले 5 दिनों की यह बैठक वास्तव में एक आध्यात्मिक बैठक रही है जहाँ मित्रों ने स्वतंत्र रूप से परामर्श प्रक्रिया में भाग लिया है। प्रतिभागियों द्वारा जो संबंध, मित्रता और उत्साह प्रस्फुटित हुआ है वह पूरे वर्ष बना रहे।



बिहार में आयोजित बैठक के प्रतिभागी

देवलाली में बैठक का आयोजन

महाराष्ट्र के देवलाली क्लस्टर के चरणवाड़ी गांव के 6 गांव के कोर ग्रुप के साथ देवलाली स्थानीय आध्यात्मिक सभा द्वारा 11 फरवरी, 2024 को एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में विश्व न्याय मंदिर के 25 नवम्बर, 2020 के संदेश का अध्ययन किया गया। मंडल सदस्यों के सहायकों के बीच समन्वय। 4) ट्यूटोरियल कक्षाएँ नियमित रूप से कोर ग्रुप द्वारा समर्थित होती हैं और 5) दैनिक कोर ग्रुप की बैठकें।

देवलाली के गांव कोटामगांव कोर ग्रुप द्वारा प्रतिदिन बैठक की सीख को साझा करने के लिए



देवलाली में आयोजित बैठक में भाग लेने वाले अध्ययनरत मित्रगण

बैठक में कोर ग्रुपों ने अपनी–अपनी बैठकों के अनुभव साझा किए तथा कोर ग्रुप की बैठकों में आने वाली चुनौतियों को भी साझा किया।

स्थानीय आध्यात्मिक सभा देवलाली द्वारा कोर ग्रूप्स को कुछ बिन्दु सुझाए गए। जैसे– 1) कोर समूहों और स्थानीय आध्यात्मिक सभा की नियमित बैठक। 2) परिवारों के समूहों के सहयोगियों और कोर ग्रुप की बैठकें शुरू करना। 3) कोर ग्रुप और सहायक देवलाली स्थानीय सभा द्वारा कोटामगांव कोर ग्रुप को आमंत्रित किया गया।

सहायक मंडल सदस्य ने संदेश का अध्ययन करने और समझने में मदद की।

देवलाली स्थानीय आध्यात्मिक सभा द्वारा दोपहर का भोज दिया गया।

इस बैठक में 6 गांवों से 48 कोर ग्रुप के सदस्यों ने अपनी प्रतिभागिता दर्ज की।

झारखण्ड में मूल गतिविधियों का आयोजन

झारखण्ड में मूल गतिविधियों का अधिकतर आयोजन शनिवार और रविवार को किया जाता है। जिस संकल्पना तथा उद्देश्य से हम सभी विभिन्न स्तरों पर प्रयास कर रहे हैं वह साकार होते हुए नजर आ रहा है। इसी तरह स्थानीय मित्रों के नियमित गतिविधियों के आयोजनों से स्थानीय मित्र भी प्रभावित हुए बिना नहीं रह सके। विगत दिनों में इस तरह के कई क्लस्टर का जहाँ के रायडीह समुदाय के स्थानीय मित्रों के प्रयास से गाँव बांधटोली में 24 फरवरी 2024 को पुस्तक–1 का सघन अध्ययन नए मित्रों के साथ शुरू किया, जिसमें लगभग 8 मित्र शामिल हैं। इसी तरह चंदनकियारी क्लस्टर के स्थानीय शिक्षक द्वारा बहाई बाल कक्षा के नियमित आयोजन से भाग 3 तक समाप्त किया गया। नये क्लस्टर जोरीडीह



चक्रधरपुर क्लस्टर में रूही पुस्तक–1 का अध्ययन करते हुए

अनुभव सामने आये जहाँ रूही पुस्तकों का अध्ययन किए हुए मित्रों ने अपनी स्वयं की कक्षा शुरू की। इसमें से एक अनुभव है तमाड़ में सह शिक्षक द्वारा 6 मित्रों को पुस्तक–3 का अध्ययन कराया गया। पटमदा के बारूबेड़ा गाँव के

स्थानीय अनुप्रेरक ने 17 फरवरी को किशोर पुस्तक की तीसरी इकाई व्यवस्थित मन की आदत नामक पुस्तक का अध्ययन शुरू किया, जिसमें 7 किशोर–किशोरी शामिल हैं। सराईकेला क्लस्टर में बहाई बाल कक्षा के आयोजन के उपरांत बच्चों को 'तेज क्रिया' नामक खेल कराया गया। इसी तरह सिल्ली क्लस्टर में अनुप्रेरक द्वारा अध्ययनवृत्त समूह और 5 घरों में प्रार्थना सभा का आयोजन कराया गया। चास क्लस्टर की शिक्षिका द्वारा भी 18 फरवरी को एक नई बहाई बाल कक्षा का शुभारम्भ किया गया जिसमें 8 बच्चे शामिल हैं।

देश भर में अय्याम–ए–हा मनाया गया

पृष्ठ 1 का शेष

• मध्य प्रदेश में इन्दौर स्थानीय बहाई आध्यात्मिक सभा एवं समुदाय के बहाई मित्रों द्वारा एक नेत्रहीन स्कूल में 26 फरवरी 2024 को अय्याम–ए–हा का कार्यक्रम बड़े कार्यक्रम में एक वरिष्ठ शिक्षक और साथ ही आठ नए भर्ती शिक्षकों को आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। बहाई धर्म में



इंदौर में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने वाले मित्रगण

ही हर्षोल्लास के साथ मनाया। साथ ही स्कूल के बच्चों के बेहतर भविष्य एवं उनके रोग निवारण हेतु सभी ने मिलकर प्रार्थनाएँ कीं और अधिदिवसों के महत्व के बारे में बात की गई। साथ ही बहाई उपवास के बारे में भी बताया गया। इस कार्यक्रम का एक मुख्य उद्देश्य यह



शाजापुर में आयोजित कार्यक्रम के प्रतिभागी

बच्चों को सुन्दर उपहार भेंट किए।

मध्य प्रदेश के ही शाजापुर में एक बहाई प्रधानाचार्य के घर पर 25 फरवरी, 2024 को अय्याम–ए–हा का उत्सव मनाया गया। इस था कि ये आठ नए युवा जो दो महीने से घर से बाहर हैं उन्हें अपने घर जैसा वातावरण प्रदान करने का प्रयास किया गया।

Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204
Delhi P.S.O.
Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2024-25-26

धर्मशाला में रूही स्नातकों के लिए कार्यक्रम

रूही स्नातकों का समापन समारोह 28 जनवरी, 2024 को हिमाचल प्रदेश के कालका, धर्मशाला में आयोजित किया गया, जिसमें अभिभावक और बच्चों सहित लगभग 180 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने और व्यापक समाज की भागीदारी एक बड़ा प्रयास था। इस कार्यक्रम में चंडीगढ़ से भी कई बहाई शामिल हुए। इस कार्यक्रम में नगर निगम के सदस्य मुख्य अतिथि थे, जिन्होंने बहाई मित्रों द्वारा समाज की भलाई के लिए किए जा रहे प्रयासों और अपने परिवार के साथ कालका में जब से पायनियरिंग के लिए गए हैं तब से परिवार ने कालका के नजदीकी क्षेत्र में संस्थान की गतिविधियाँ स्थापित करना शुरू कर दिया। एक अन्य परिषद सदस्य जो नियमित रूप से चंडीगढ़ से कालका जाती रही हैं, उनके निरंतर प्रयासों से यहाँ संस्थान की अनेक गतिविधियाँ संचालित हो रही हैं।

समापन समारोह के दिन भी बच्चे और युवा जोश में थे। सभी अपनी बेहतरीन वेशभूषा और पोशाक में थे। सबसे पहले कालका के बच्चों और किशोरों द्वारा प्रार्थना



धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम के प्रतिभागी

विशेष रूप से युवा पीढ़ी के लिए काम करने की सराहना की, जिन्हें ऐसी शिक्षा की आवश्यकता है।

एक बहाई मित्र ने तीन प्रकार की शिक्षाओं के बारे में बात की उन्होंने बताया कि प्रत्येक प्रकार की शिक्षा हर एक के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इन सब शिक्षाओं में आध्यात्मिक शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण है जो हमें ईश्वर से जोड़ती है।

एक सहायक मण्डल सदस्य

की गई। फिर मंच पर बहाई गीत, लोक–नृत्य और नाटक प्रस्तुत किए गए। कुछ किशोरों ने इन कक्षाओं के माध्यम से प्राप्त अपने अनुभव और उन पर पड़ने वाले प्रभाव का आदान–प्रदान किया।

इस सभा ने बच्चों के साथ–साथ अभिभावकों पर भी बहुत अच्छा प्रभाव छोड़ा। अंत में, रूही–पुस्तकों के विभिन्न स्तरों को पूरा करने वालों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए।

निवेदन

प्रिय मित्रों, अपने समुदायसमूह में होने वाली मूल–गतिविधियों की रिपोर्ट तथा प्रेरणादायक घटनाएँ फोटोग्राफ के साथ हमें समय–समय पर भेजते रहें, जिससे की हम उन्हें बहाई समाचार में प्रकाशित कर सकें। *धन्यवाद !*

छत्तीसगढ़ में बहाई परिवार सम्मेलन

पृष्ठ 1 का शेष

उल्लेख किया है। उन्होंने इस तथ्य पर प्रकाश डाला कि हमें इस बारे में ज्यादा विचार नहीं करना चाहिए कि हम कितनी धनराशि दे रहे हैं, बल्कि हमें नियमित आधार पर जितना संभव हो उतना योगदान देना चाहिए। अंत में उन्होंने सम्मेलन के पूर्णतः आत्मनिर्भर होने की घोषणा की तथा सभी मित्रों को उनके योगदान के लिए हृदय से धन्यवाद दिया।

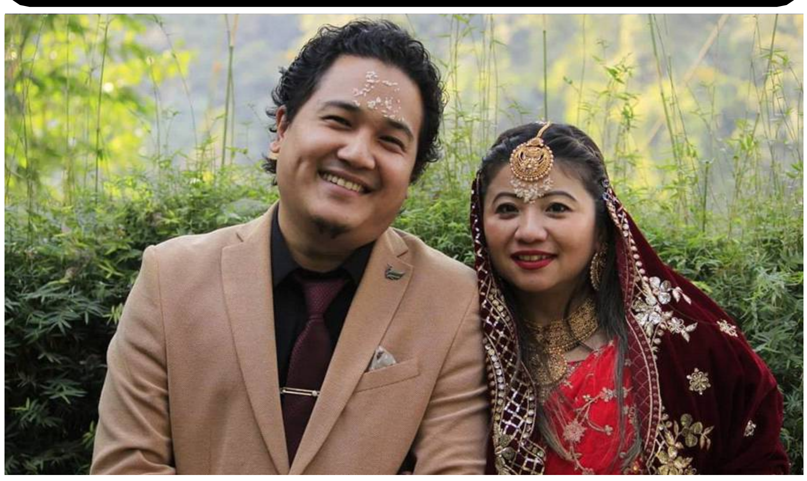
सम्मेलन में सबसे रोचक एवं रोमांचक सांस्कृतिक कार्यक्रम रहा। अधिकांश कार्यक्रम विभिन्न संस्कृतियों पर आधारित थे, जैसे छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य, संबलपुरी नृत्य, बंगाली नृत्य आदि। प्रतिभागियों ने बहाउल्लाह के सिद्धांत पर आधारित कुछ गीत प्रस्तुत किए। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम को और भी रोचक एवं जीवंत बना दिया गया।

दूसरे दिन प्रथम सत्र का प्रारम्भ प्रार्थनाओं से हुआ। कांकेर के साथियों ने अलग–अलग भाषाओं में प्रार्थना कीं और सुंदर आध्यात्मिक माहौल में कार्यक्रम की शुरुआत की। उसके उपरांत प्रतिनिधि चुनाव के लिए प्रत्येक का स्वागत किया गया। सहायक मण्डल सदस्यों ने उचित मार्गदर्शन एवं प्रार्थनापूर्ण वातावरण में प्रतिनिधि चुनाव सम्पन्न कराया। मित्रों ने विश्व न्याय मन्दिर के 25 मार्च 2007 के संदेश का अध्ययन किया और चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लिया।

परिषद के अध्यक्ष ने तीन मुख्य गतिविधियों पर एक भाषण दिया। उन्होंने प्रत्येक परिवार और व्यक्तिगत बहाई से प्रति परिवार में भक्ति सभा और कम से कम एक अध्ययनवृत्त कक्षा आयोजित करने का आह्वान किया। अपने शब्दों में उन्होंने प्रत्येक प्रतिभागी को यह समझाने का प्रयास किया कि यदि बहाई परिवार के बच्चे और किशोर आध्यात्मिक शिक्षा से वंचित रह जाते हैं तो यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण है। इसलिए उन्होंने सभी माता–पिता से हार्दिक अनुरोध किया कि वे अपने बच्चों की आध्यात्मिक शिक्षा के लिए अपना समय प्रदान करें।

अंत में, उन्होंने सभी उपस्थित लोगों को परिषद की ओर से उनके सहयोग के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया।

बहाई विवाह



सिक्किम के सरमसा क्लस्टर के श्री पुष्कल मंगर और गोरुबथान क्लस्टर की सुश्री पन्ना राय का विवाह 20 जनवरी, 2024 को बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।

कुल पृष्ठ संख्या–4

बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2024-25-26
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110020
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post
Posted at DPSO
Delhi on 10/11.03.2024
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg.
New Delhi - 110 001 - INDIA

सुशील कुमार द्वारा संपादित, प्रकाशित और मुद्रित समाचारपत्र का स्वामित्व राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110001,
मुद्रण : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 (सुशील कुमार : सम्पादक एवं प्रकाशक)